THINK IAS JOIN SAMYAK

Samyak
An Institute For Civil Services

DAILY CURRENT नामा

18, 19, 20 अगस्त

9875170111
SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR

क्या डॉक्टरों को केंद्रीय संरक्षण अधिनियम की आवश्यकता है?

पाठ्यक्रम में प्रासंगिकता - सामान्य अध्ययन-II: शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्त्वपूर्ण पक्ष

सुर्खियों में क्यों ?

- हाल ही में कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक युवा डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के विरोध में पूरे भारत में व्यापक प्रदर्शन हो रहा है। रेजिडेंट डॉक्टर ड्यूटी के दौरान अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सख्त कानून की मांग कर रहे हैं।
- घटना के जवाब में, पूरे भारत में रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर चले गए हैं, और तत्काल प्रणालीगत सुधारों और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए एक केंद्रीय सुरक्षा अधिनियम की मांग कर रहे हैं।

पृष्ठभूमि

- **ऐतिहासिक संदर्भ:** भारत में स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ हिंसा कोई नई बात नहीं है। 1973 में नर्स अरुणा शानबाग का मामला सामने आया था, जो यौन उत्पीड़न के कारण 41 साल तक निष्क्रिय अवस्था में रहीं थी। यह मेडिकल पेशेवरों के सामने आने वाले खतरों का एक चिंताजनक दृश्य प्रस्तुत करता है।
- **वर्तमान परिदृश्य:** बार-बार होने वाली घटनाओं के बावजूद, भारत में स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए कोई व्यापक केंद्रीय कानून नहीं है। मौजूदा कानूनी ढांचा, जो स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था को राज्य के अधिकार क्षेत्र में रखता है, डॉक्टरों और अन्य मेडिकल कर्मचारियों के खिलाफ बढ़ती हिंसा को संबोधित करने में अपर्याप्त साबित हुआ है।

पृष्ठभूमि प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

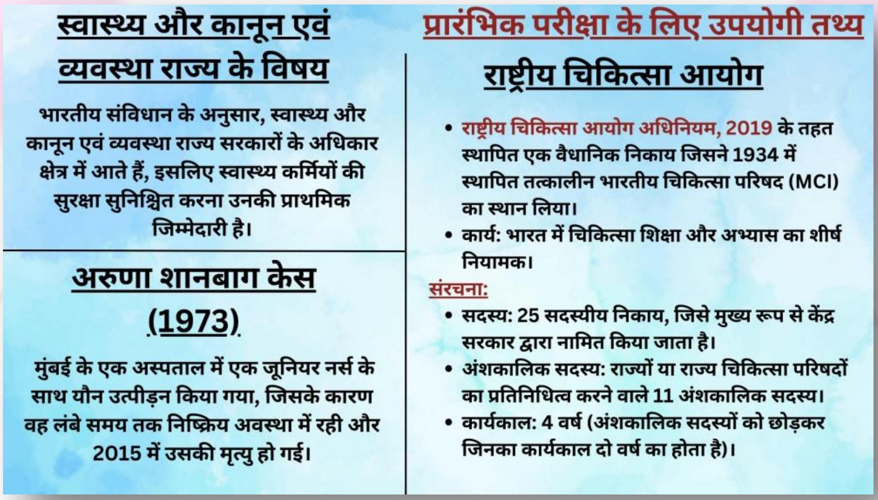

मुख्य परीक्षा के लिए विश्लेषण

स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में

समाधान

केंद्रीय सुरक्षा अधिनियम की शुरुआत:

1. *कानूनी ढाँचा:* यू.एस. और ऑस्ट्रेलिया के कानूनों के समान, स्वास्थ्य सेवा कर्मियों के खिलाफ हिंसा के लिए सख्त दंड का प्रावधान करने वाले एक व्यापक केंद्रीय कानून की तत्काल आवश्यकता है। इससे सभी राज्यों में एक समान सुरक्षा प्रदान की जा सकेगी।
2. *शून्य सहनशीलता नीति:* यूनाइटेड किंगडम की तरह, भारत स्वास्थ्य सेवा सेटिंग्स में हिंसा के प्रति शून्य-सहिष्णुता नीति लागू कर सकता है, जो एक समर्पित सुरक्षा ढाँचे और एक मजबूत रिपोर्टिंग प्रणाली द्वारा समर्थित हो।

अस्पताल की सुरक्षा में सुधार:

1. *उन्नत बुनियादी ढाँचा:* अस्पतालों को सीसीटीवी कैमरे लगाने, पर्याप्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात करने और अच्छी तरह से रोशनी वाले गलियारे और पैदल मार्ग सुनिश्चित करने की आवश्यकता होनी चाहिए। पैनिक बटन और सुरक्षित विश्राम क्षेत्र भी प्रदान किए जाने चाहिए।
2. *संस्थागत एफआईआर:* किसी भी हिंसा के छह घंटे के भीतर संस्थागत एफआईआर दर्ज करने के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के हालिया निर्देश को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए और इसकी निगरानी की जानी चाहिए।

पेशेवर जाँच और न्याय:

1. *समय पर कार्रवाई:* न्याय सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा कर्मियों के खिलाफ अपराधों की सावधानीपूर्वक और निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर जाँच की जानी चाहिए। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अपराधियों को कड़ी सज़ा देना ज़रूरी है।
2. *पीड़ितों के लिए मुआवज़ा:* पीड़ितों के परिवारों को उचित और सम्मानजनक मुआवज़ा दिया जाना चाहिए।

वैश्विक उदाहरण:

1. *अन्य देशों से सीखना:* भारत यू.के., यू.एस. और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से सर्वोत्तम आचरण अपना सकता है, जहाँ स्वास्थ्य सेवा कर्मियों की सुरक्षा के लिए कड़े उपाय किए गए हैं।

चुनौतियाँ

1. *केंद्रीय विधान का अभाव:* स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए एक विशिष्ट केंद्रीय कानून का अभाव उन्हें हिंसा के प्रति संवेदनशील बनाता है। हालाँकि राज्य जिम्मेदार हैं, लेकिन देश भर में सुरक्षा उपायों को लागू करने में असंगतता है।
2. *अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा:* भारत में कई अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में बुनियादी सुरक्षा बुनियादी ढाँचे, जैसे उचित प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा कर्मी और निगरानी प्रणाली का अभाव है। इससे स्वास्थ्य कर्मियों को शारीरिक और मानसिक खतरों का सामना करना पड़ता है।
3. *कम रिपोर्टिंग और विलंबित कार्रवाई:* अक्सर अस्पताल प्रशासन और राज्य सरकारें हिंसा की घटनाओं को स्वीकार करने और रिपोर्ट करने में अनिच्छा रखती हैं। इससे पीड़ितों को समय पर न्याय मिलने में बाधा आती है।
4. *काम का बोझ और थकान:* डॉक्टर, विशेष रूप से निवासी, अक्सर न्यूनतम आराम के साथ लंबे समय तक काम करते हैं, जिससे उनकी भेद्यता बढ़ जाती है। कोलकाता की घटना में पीड़ित कथित तौर पर 36 घंटे की शिफ्ट पर थी।

वरिष्ठ नौकरशाही पदों पर पार्श्व प्रवेश की नीति वापस ली गई

पाठ्यक्रम में प्रासंगिकता - सामान्य अध्ययन-II: शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्त्वपूर्ण पक्ष

सुर्खियों में क्यों ?

- **पार्श्व प्रवेश विज्ञापन को वापस लेना:** भारत सरकार ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) से वरिष्ठ नौकरशाही पदों पर पार्श्व प्रवेश के लिए अपने हालिया विज्ञापन को वापस लेने का अनुरोध किया है। यह निर्णय भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण प्रावधानों को बाहर करने के संबंध में विपक्ष की तीव्र आलोचना के बाद लिया गया है।
- **प्रधान मंत्री का निर्देश:** प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि पार्श्व प्रवेश प्रक्रिया को सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के साथ जोड़ा जाना चाहिए, विशेष रूप से अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण के संबंध में।

ऐतिहासिक संदर्भ:

- **उत्पत्ति:** पार्श्व प्रवेश की अवधारणा पहली बार 2000 के दशक के मध्य में कांग्रेस सरकार के दौरान प्रस्तावित की गई थी। वीरप्पा मोइली की अध्यक्षता में दूसरे प्रशासनिक सुधार आयोग (ARC) ने विशेष ज्ञान की आवश्यकता वाली भूमिकाओं में अंतराल को दूर करने के लिए इस विचार का समर्थन किया।
- **औपचारिक परिचय:** पार्श्व प्रवेश प्रक्रिया को औपचारिक रूप से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान लाया गया था, जिसमें 2018 में रिक्तियों के पहले सेट की घोषणा की गई थी। यह वरिष्ठ नौकरशाही पदों को विशेष रूप से कैरियर सिविल सेवकों के साथ भरने की पारंपरिक प्रथा से एक महत्वपूर्ण बदलाव था।

पार्श्व प्रवेश प्रक्रिया	विरोध
नौकरशाही में पार्श्व प्रवेश में विभिन्न सरकारी विभागों में मध्य और वरिष्ठ स्तर के पदों को भरने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) जैसे पारंपरिक सरकारी सेवा संवर्गों के बाहर से व्यक्तियों की भर्ती शामिल है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य विशिष्ट ज्ञान और विशेषज्ञता लाना है ।	पार्श्व प्रवेश प्रक्रिया को विरोध का सामना करना पड़ा है, नेताओं ने इसे "दलितों पर हमला" और यूपीएससी की पारंपरिक भर्ती प्रक्रिया को दरकिनार करने का एक साधन बताया है। जवाब में, सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले प्रशासन के तहत पार्श्व प्रवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता का अभाव था। वर्तमान प्रशासन इस प्रक्रिया को समानता और सामाजिक न्याय के संवैधानिक सिद्धांतों के साथ जोड़ना चाहता है।

पृष्ठभूमि प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

पार्श्व प्रवेश

- सरकार के बाहर के व्यक्तियों को सीधे मध्य-स्तर और वरिष्ठ पदों पर नियुक्त करने की प्रक्रिया।
- **उद्देश्य:** प्रशासन को बढ़ाने के लिए डोमेन-विशिष्ट विशेषज्ञता और नए दृष्टिकोण लाना।
- **नियुक्ति:** पार्श्व प्रवेशकर्ताओं को 3 साल के लिए अनुबंध पर नियुक्त किया जाता है, जिसे अधिकतम 5 साल तक बढ़ाया जा सकता है।
- **तर्क:** नई प्रतिभाओं को लाने के साथ-साथ जनशक्ति की उपलब्धता बढ़ाने के दोहरे उद्देश्यों को प्राप्त करना।
- **उत्पत्ति:** पहली बार 2004-09 के तहत पेश किया गया था और 2005 में दूसरे प्रशासनिक सुधार आयोग (एआरसी) द्वारा इसका समर्थन किया गया था, बाद में 2017 में नीति आयोग द्वारा इसकी सिफारिश की गई थी।
- **पात्रता:** निजी क्षेत्र, राज्य सरकारों, स्वायत्त निकायों या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से संबंधित क्षेत्रों में डोमेन विशेषज्ञता वाले व्यक्ति इन पदों के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।
- **आलोचना:** ऐसी भर्ती में एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों के लिए कोई कोटा नहीं है। निचले स्तर के पदों पर काम करने वाले सीधे भर्ती किए गए कर्मचारियों को इससे वंचित किया जाएगा, क्योंकि उन्हें पदोन्नति का लाभ नहीं मिलेगा। कोटा की कमी "संविधान का सीधा उल्लंघन" है।

मुख्य परीक्षा के लिए विश्लेषण

पार्श्व प्रवेश के पक्ष में तर्क	पार्श्व प्रवेश के खिलाफ तर्क
• **विशेषज्ञता:** पार्श्व प्रवेश सरकार को विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता वाले विशेषज्ञों की भर्ती करने की अनुमति देती है। • **नवाचार:** पार्श्व प्रवेश प्रक्रिया शासन को बेहतर बनाने के लिए मूल्यवान अनुभव ला सकती है। • **कमी को पूरा करना:** चूंकि लगभग 1500 आईएएस अधिकारियों की कमी है, इसलिए पार्श्व प्रवेश प्रक्रिया इसे पाटने में मदद कर सकती है। • **कार्य संस्कृति में बदलाव:** चूंकि सरकारी क्षेत्र की लालफीताशाही, नियम-पुस्तिका नौकरशाही और यथास्थितिवाद के लिए आलोचना की जाती है, इसलिए पार्श्व प्रवेश प्रक्रिया इसे बदल सकती है। • **भागीदारी:** पार्श्व प्रवेश प्रक्रिया निजी क्षेत्र और गैर-लाभकारी संस्थाओं जैसे हितधारकों	• **लघु कार्यकाल:** नवागंतुकों के लिए जटिल शासन प्रणालियों को पूरी तरह से अनुकूलित करने के लिए 3 वर्ष का कार्यकाल अपर्याप्त है। • **तटस्थता बनाए रखना:** विभिन्न पृष्ठभूमियों से व्यक्तियों को लाना हितों के टकराव के कारण तटस्थता को चुनौती दे सकता है। • **स्थायी अधिकारियों का मनोबल:** पार्श्व प्रवेशकों की नियुक्ति से उनके और स्थायी अधिकारियों के बीच अंतर पैदा हो सकता है। • **योग्यता-आधारित भर्ती को कमजोर करना:** यदि इसे पारदर्शी तरीके से नहीं किया गया, तो इससे चयन प्रक्रिया में पक्षपात या भाई-भतीजावाद की धारणा पैदा हो सकती है।

<table>
<tr><td>को शासन प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर प्रदान करती है।</td><td></td></tr>
</table>

<table>
<tr><th colspan="2">अन्य खबरें</th></tr>
<tr><th>चर्चा का विषय</th><th>महत्वपूर्ण जानकारी</th></tr>
<tr><td>शिवेलुच ज्वालामुखी</td><td>

- **सुर्खियों में क्यों** – रूस के कामचटका प्रायद्वीप के तट पर 7.0 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके कारण क्षेत्र में अत्यधिक सक्रिय ज्वालामुखी शिवलुच में विस्फोट हो गया।
- **स्थान:** रूस के कामचटका में पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से लगभग 280 मील दूर।
- **आकार और विस्फोट:** कामचटका में सबसे बड़े और सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक, पिछले 10,000 वर्षों में कम से कम 60 बार विस्फोट हो चुका है।
- **2 भाग:**
    - पुराना शिवेलुच: शीर्ष 3,283 मीटर (10,771 फीट),
    - युवा शिवेलुच: एक छोटा, 2,800 मीटर का शिखर

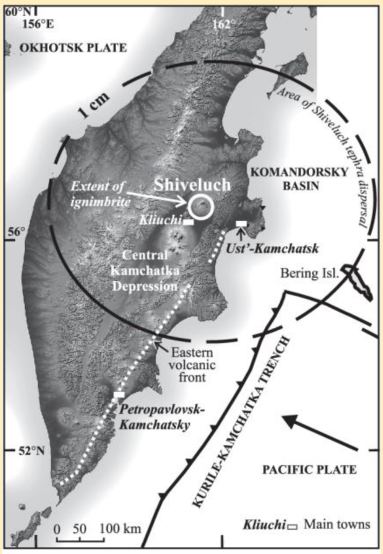

Figure 1. Map of Kamchatka showing the location of Shive-

कामचटका प्रायद्वीप

- **स्थान:** ओखोटस्कॉन सागर (पश्चिम) और प्रशांत महासागर और बेरिंग सागर (पूर्व) के बीच सुदूर पूर्वी रूस में।
- **महत्व:** भूतापीय गतिविधि के दुनिया के सबसे केंद्रित क्षेत्रों में से एक, जिसमें लगभग 30 सक्रिय ज्वालामुखी हैं।

</td></tr>
<tr><td>केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण</td><td>

- **इसके बारे में:** 24 जुलाई, 2020 को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय।
- **उद्देश्य:** एक वर्ग के रूप में उपभोक्ताओं के अधिकारों को बढ़ावा देना, उनकी रक्षा करना और उन्हें लागू करना।
- **नोडल मंत्रालय:** उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय।

</td></tr>
</table>

	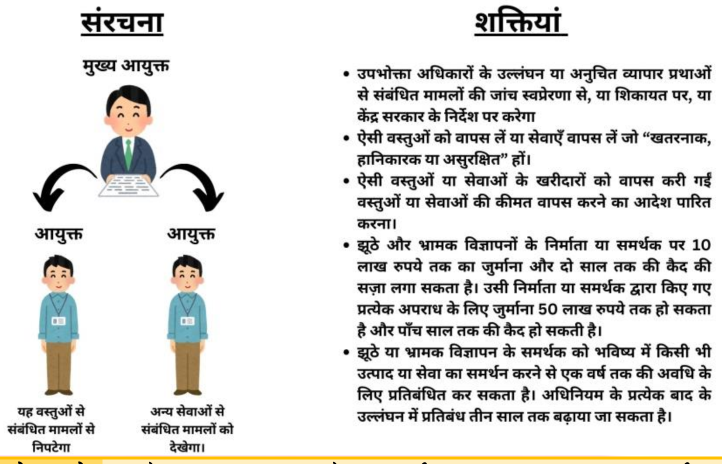
अडानी पावर का गोड्डा प्लांट	• ***सुर्खियों में क्यों*** - *गोड्डा (झारखंड) में अडानी पावर का प्लांट अपनी पूरी बिजली बांग्लादेश को सप्लाई करता है। एक बयान में अडानी पावर के प्रवक्ता ने बांग्लादेश को बिजली सप्लाई करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि संशोधन से उनके मौजूदा अनुबंध पर कोई असर नहीं पड़ेगा।* • ***इसके बारे में:*** *गोड्डा में अल्ट्रा सुपर-क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट से बांग्लादेश को 1,496 मेगावाट क्षमता की बिजली की आपूर्ति की जाती है।* • ***समझौता:*** *यह नवंबर 2017 में बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड (BPDB) के साथ 25 साल की अवधि के लिए किए गए पावर परचेज एग्रीमेंट (PPA) के तहत सुगम है।* • ***महत्व:*** *यह भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय विद्युत परियोजना है जो उत्पादित समस्त विद्युत दूसरे देश को आपूर्ति करती है।*
राष्ट्रीय कोयला सूचकांक	• ***सुर्खियों में क्यों*** – *राष्ट्रीय कोयला सूचकांक (एनसीआई) में जून 2023 की तुलना में जून 2024 में गिरावट देखी गई है। यह घरेलू बाजार में सस्ती कीमतों पर कोयले की पर्याप्त उपलब्धता की ओर इशारा करता है।* • ***इसके बारे में:*** *एक मूल्य सूचकांक जो निश्चित आधार वर्ष के सापेक्ष किसी विशेष महीने में कोयले के मूल्य स्तर में परिवर्तन को दर्शाता है।* • ***घटक:*** *सूचकांक सभी बिक्री चैनलों - अधिसूचित मूल्य, नीलामी मूल्य और आयात मूल्य से कोयले की कीमतों को जोड़ता है।* • ***मंत्रालय:*** *कोयला मंत्रालय* • ***आधार वर्ष:*** *वित्त वर्ष 2017-18* • *यह भारतीय बाजार में कच्चे कोयले के सभी लेन-देन को शामिल करता है: इसमें विनियमित (बिजली और उर्वरक) और गैर-विनियमित क्षेत्रों में किए गए विभिन्न ग्रेड के कोकिंग और नॉन-कोकिंग शामिल हैं। धुले हुए कोयले और कोयला उत्पाद इसमें शामिल नहीं हैं।* 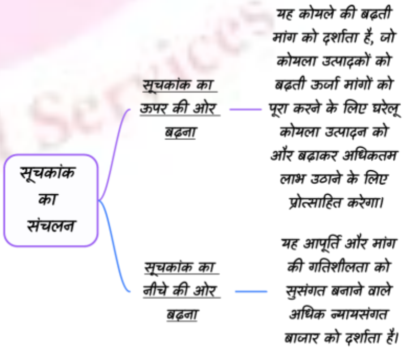

<table>
<tr>
<td>पुरंदर अंजीर</td>
<td>

सुर्खियों में क्यों - भारत के कृषि उत्पादों को वैश्विक मंच पर लाने के लिए, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) ने GI-टैग वाले पुरंदर अंजीर से बने भारत के पहले रेडी-टू-ड्रिंक अंजीर जूस को पोलैंड को निर्यात करने की सुविधा प्रदान की है। इससे पहले 2022 में जर्मनी को भी निर्यात किया गया था।

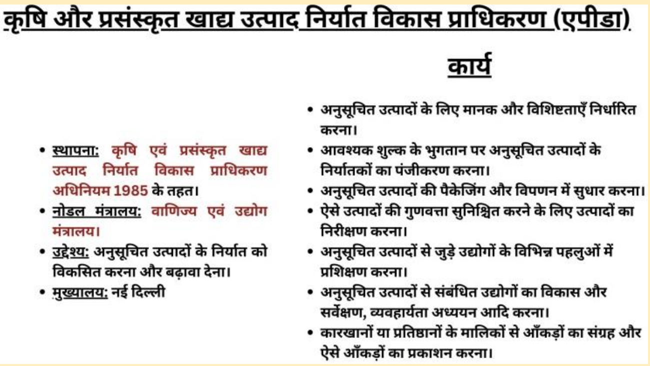
कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा)
• स्थापना: कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम 1985 के तहत।
• नोडल मंत्रालय: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय।
• उद्देश्य: अनुसूचित उत्पादों के निर्यात को विकसित करना और बढ़ावा देना।
• मुख्यालय: नई दिल्ली
कार्य
• अनुसूचित उत्पादों के लिए मानक और विशिष्टताएँ निर्धारित करना।
• आवश्यक शुल्क के भुगतान पर अनुसूचित उत्पादों के निर्यातकों का पंजीकरण करना।
• अनुसूचित उत्पादों की पैकेजिंग और विपणन में सुधार करना।
• ऐसे उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उत्पादों का निरीक्षण करना।
• अनुसूचित उत्पादों से जुड़े उद्योगों के विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षण करना।
• अनुसूचित उत्पादों से संबंधित उद्योगों का विकास और सर्वेक्षण, व्यवहार्यता अध्ययन आदि करना।
• कारखानों या प्रतिष्ठानों के मालिकों से आँकड़ों का संग्रह और ऐसे आँकड़ों का प्रकाशन करना।
पुरंदर अंजीर (2016 में जीआई टैग)

खेती: महाराष्ट्र के पुणे जिले के पुरंदर तालुका में।
कृषि-जलवायु कारक: शुष्क मौसम, पहाड़ी ढलान, अच्छी तरह से सूखी भूमि पुरंदर अंजीर की खेती के लिए आवश्यक है।
मिट्टी का प्रकार: लाल और काली मिट्टी जिसमें कैल्शियम और पोटेशियम की उच्च मात्रा होती है। यह अंजीर के बैंगनी रंग और आकार के लिए जिम्मेदार होती है।

</td>
</tr>
<tr>
<td>बन्नी घास के मैदान(कच्छ)</td>
<td>

स्थान: गुजरात में कच्छ जिले की उत्तरी सीमा पर
क्षेत्र: 2500 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्रफल वाला भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा घास का मैदान।
निर्माण के कारक: नदियों पर बांध बनाना, प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा वृक्ष का प्रसार, तथा कई शताब्दियों से इन घास के मैदानों में चरने वाले पशुओं की लगातार बदलती संरचना और घनत्व।

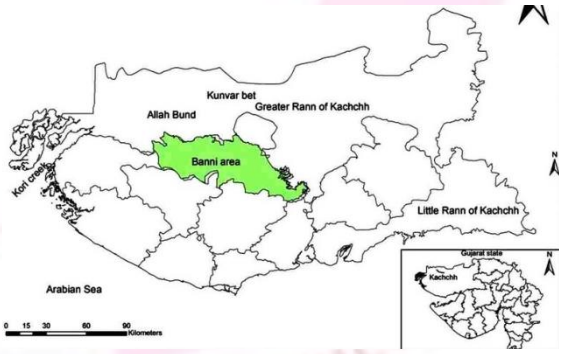

जैव विविधता: इसमें 37 घास प्रजातियाँ, 275 पक्षी प्रजातियाँ, तथा भैंस, भेड़, बकरी, घोड़े और ऊँट जैसे पालतू जानवर, साथ ही वन्यजीव भी हैं।
घटक:

कच्छ रेगिस्तान वन्यजीव अभयारण्य
छारी ढांड संरक्षण रिजर्व।

वनस्पति: प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा, क्रेसा क्रिटिका, साइपरस एसपीपी, स्पोरोबोलस, डाइकैंथियम और एरिस्टिडा।
प्रजनन स्थल - यह बन्नी भैंस और कंकरेज गाय का प्रजनन स्थल है।

</td>
</tr>
</table>

रणथंभौर टाइगर रिजर्व	• **स्थान:** पूर्वी राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले से मात्र 14 किलोमीटर दूर अरावली और विंध्य पर्वतमाला के संगम पर स्थित है। • **क्षेत्र:** उत्तरी भारत के सबसे बड़े बाघ अभयारण्यों में से एक (1411 वर्ग किमी)। • **नदियाँ:** दक्षिण में चंबल और उत्तर में बनास नदी • **'ग्रेट बाउंड्री फॉल्ट' का स्थान:** यहाँ विंध्य का पठार अरावली पर्वतमाला से मिलता है। • **झीलें:** पदम तालाब, राज बाग तालाब और मलिक तालाब • **वनस्पति:** ढोक के पेड़, पठारों - घाटियों में घास के मैदान
ज़ूफार्माकोग्नॉसी	• **शाब्दिक अर्थ:** "ज़ू " (जानवर), "फार्माकोन" (दवा), और "ग्नोसिस" (ज्ञान) से व्युत्पन्न। • **इसके बारे में:** बीमारियों के इलाज या रोकथाम के लिए प्राकृतिक पदार्थों जैसे पौधे की खोज और उपयोग करके जानवरों की स्वयं-चिकित्सा करने की क्षमता। **उदाहरण:** • चिंपैंजी: आंतों के परजीवियों से निपटने के लिए कुछ कड़वे पौधों (जैसे वर्नोनिया एमिग्डालिना) का सेवन करते हैं। • हाथी: पूर्वी अफ्रीका में, गर्भवती हाथियों को प्रसव के संदर्भ में कुछ पेड़ों की पत्तियाँ खाते हुए देखा गया है। • पक्षी: कुछ पक्षी प्रजातियाँ परजीवी भार को कम करने के लिए अपने घोंसलों में विशिष्ट पौधों को शामिल करती हैं। • मोनार्क तितलियाँ: लार्वा को परजीवियों से बचाने के लिए जहरीले मिल्कवीड पर अंडे देती हैं।
कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (fMRI)	• **सुर्खियों में क्यों:** एक नवीनतम अध्ययन के अनुसार, fMRI अवसाद के 'उपप्रकारों' और कारगर उपचारों का पता लगा सकता है। • **इसके बारे में:** एक तकनीक जो रक्त में ऑक्सीजन के स्तर को मापकर मस्तिष्क की गतिविधि के बारे में बताती है। • **महत्व:** यह मस्तिष्क की गतिविधि का निरीक्षण करने की एक गैर-आक्रामक तकनीक है। • **पारंपरिक एमआरआई से अंतर:** पारंपरिक एमआरआई के विपरीत, जो मस्तिष्क संरचना पर केंद्रित है, fMRI विशिष्ट कार्यों के दौरान मस्तिष्क की गतिविधि को नोट करता है। • **कार्यप्रणाली:** यह मस्तिष्क गतिविधि का एक कार्यात्मक मानचित्र बनाता है, जिससे शोधकर्ताओं और चिकित्सकों को विभिन्न स्थितियों को बेहतर ढंग से समझने, निगरानी और उपचार करने में मदद मिलती है।

नील चन्द्र(ब्लू मून)	• **इसके बारे में:** जब एक कैलेंडर महीने में 2 पूर्णिमा हों तो दूसरी पूर्णिमा का चांद ब्लू मून कहा जाता है। इसका नाम भले ही ब्लू मून हो, मगर यह हकीकत में ब्लू नहीं होता है। एक महीने में आने वाली दूसरी पूर्णिमा का यह पारंपरिक नाम है। • **घटना:** यह हर दो या तीन साल में होता है। • **सुपर ब्लू मून:** सुपर ब्लू मून के दौरान ब्लू मून और सुपर मून दोनों मिलकर बड़े व चमकीले चंद्रमा के साथ आकाश को रोशन कर देते हैं। यह घटना उस वक्त होती है जब चंद्रमा अपनी कक्षा के दौरान पृथ्वी के करीब होता है। ऐसी स्थिति में वह बड़ा और चमकीला दिखाई देने लगता है।
स्टॉर्म-2035	• **इसके बारे में:** ईरान से जुड़ा एक प्रभावशाली अभियान जो एआईजनरेटेड - कंटेंट का उपयोग करके अमेरिकी मतदाताओं को लक्षित करता है। • **घटक** चार वेबसाइटों से बना है जो समाचार संगठनों के रूप में काम करती हैं : और अमेरिकी मतदाताओं को लक्षित करने के लिए LGBTQ अधिकारों और इज़राइल हमास संघर्ष जैसे मुद्दों का-प्रयोग करती हैं। • **एआई टूल का उपयोग:** साइटों ने कहानियों की चोरी करने और वेब ट्रैफ़िक को कैप्चर करने के लिए एआई टूल का उपयोग किया है।
हेफ़्लिक सीमा	• **सुर्खियों में क्यों:** बायोमेडिकल शोधकर्ता लियोनार्ड हेफ्लिक, जिन्होंने खोजा कि सामान्य दैहिक कोशिकाएं केवल एक निश्चित संख्या तक ही विभाजित हो सकती हैं, का हाल ही में निधन हो गया। **हेफ्लिक सीमा** • अर्थ: हेफ्लिक सीमा किसी कोशिका के विभाजन की अधिकतम संख्या को संदर्भित करती है। यह सीमा उम्र बढ़ने और आयु-संबंधी बीमारियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। • खोज: लियोनार्ड हेफ्लिक द्वारा 1961 में खोज की गई, जिसने पहले की धारणा को पलट दिया कि कोशिकाएँ अनिश्चित काल तक विभाजित हो सकती हैं। यह खोज उस पुरानी धारणा का खंडन करती है कि उम्र बढ़ना केवल रोग, आहार और विकिरण जैसे बाह्य कारकों के कारण होता है।
मित्र शक्ति अभ्यास	• **इसके बारे में:** भारत और श्रीलंकाई सेना के बीच एक संयुक्त सैन्य अभ्यास। • **भारत के प्रतिभागी:** भारतीय सेना की राजपुताना राइफल्स (राज रिफ़) के 120 सैनिक • **श्रीलंका के प्रतिभागी:** श्रीलंकाई सेना की गजबा रेजिमेंट के कर्मियों द्वारा प्रतिनिधित्व • **फोकस:** संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII के साथ संरेखित, अर्ध-शहरी वातावरण में संयुक्त अभ्यास, जो शांति और सुरक्षा के लिए खतरों के संबंध में

	कार्रवाई से संबंधित हैं। • **उद्देश्य:** दोनों सेनाओं की परिचालन दक्षता में सुधार करना।
आईएनएस शिवालिक गुआम पहुंचा	• **सुर्खियों में क्यों:** हाल ही में संपन्न दुनिया के सबसे बड़े बहुराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास रिमपैक 2024 के सफल समापन पर परिचालनात्मक बदलाव के लिए आईएनएस शिवालिक संयुक्त राज्य अमेरिका के एक द्वीप क्षेत्र गुआम पहुंच गया। • **आईएनएस शिवालिक के बारे में:** भारतीय नौसेना के लिए निर्मित पहला स्टेल्थ मल्टी-रोल फ्रिगेट। • **निर्माण:** मुंबई के मझगांव डॉक लिमिटेड (एमडीएल) में निर्मित। • **कमीशनिंग:** 29 अप्रैल, 2010 **रिम ऑफ द पेसिफिक (रिमपैक) अभ्यास 2024** • **रिमपैक के बारे में:** दुनिया का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास, हवाई में आयोजित हुआ। • **उत्पत्ति:** 1971 में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा को शामिल करते हुए एक वार्षिक अभ्यास के रूप में शुरू किया गया। 1974 में, यह समुद्री अभ्यास एक द्विवार्षिक आयोजन में परिवर्तित हो गया।